कक्षा 12 CBSE हिन्दी

मॉडल प्रश्नपत्र – सेट 7

उत्तरमाला

खंड – क (MCQ उत्तर)

1. (ख) शांति
2. (क) बिना सोचे-समझे प्रतिस्पर्धा
3. (ग) अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के कारण
4. (ख) आत्मचिंतन और संतुलित जीवन
5. (ख) स्वयं में परिवर्तन लाओ
6. (ख) ज्ञान और सकारात्मकता
7. (ख) अज्ञान और नकारात्मकता
8. (ख) रूपक
9. (ख) बहुव्रीहि
10. (क) ता
11. (ख) अपकर्ष
12. (घ) गुरुवरी
13. (क) पूर्ण वर्तमानकाल
14. (ग) संप्रदान
15. (ख) उम्मीद
16. (ग) पराजय

खंड – ख (लघु उत्तरीय प्रश्न)

---

17. आधुनिक जीवन में मानसिक शांति क्यों कम हो रही है?

आधुनिक जीवन की भागदौड़ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के कारण मानसिक शांति कम हो रही है। व्यक्ति भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे दौड़ते हुए संबंधों और आत्मचिंतन को भूल जाता है। तनाव और असंतुलन से मानसिक अशांति उत्पन्न होती है।

---

18. आत्मचिंतन का महत्व

आत्मचिंतन व्यक्ति को अपनी गलतियों और कमजोरियों को पहचानने का अवसर देता है। इससे व्यक्ति संतुलित और शांत जीवन जी सकता है। आत्मचिंतन आत्मविकास का आधार है।

---

19. कर्मधारय समास

जिस समास में पूर्व पद विशेषण तथा उत्तर पद विशेष्य होता है और दोनों का संबंध समानता का होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं।
उदाहरण — महापुरुष (महान पुरुष), नीलकमल (नीला कमल)

---

20. संधि के प्रकार और उदाहरण

1. **स्वर संधि** – राम + ईश्वर = रामेश्वर
2. **व्यंजन संधि** – सत् + जन = सज्जन
3. **विसर्ग संधि** – दुः + ख = दुःख

---

21. संपादक को पत्र लिखते समय ध्यान रखने योग्य बिंदु

1. स्पष्ट और संक्षिप्त विषय
2. तथ्यात्मक विवरण
3. समाधान का सुझाव
4. शिष्ट भाषा
5. नाम एवं पता

---

22. फीचर लेखन की विशेषताएँ

फीचर लेखन रोचक और भावपूर्ण होता है। इसमें विषय का विस्तृत वर्णन किया जाता है। भाषा सरल, प्रभावशाली और आकर्षक होती है।

---

23. स्वयं परिवर्तन (अनुच्छेद)

स्वयं में परिवर्तन लाना जीवन की सफलता का आधार है। जब व्यक्ति अपनी कमियों को पहचानकर सुधार करता है, तभी समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। आत्मविकास से ही प्रगति संभव है।

---

24. कविता का भावार्थ

कविता का भाव यह है कि हमें स्वयं में परिवर्तन लाना चाहिए। हमारे ज्ञान और सकारात्मकता से समाज का अंधकार दूर हो सकता है।

खंड – ग (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

---

25. आधुनिक जीवन और मानवीय मूल्य (निबंध)

आधुनिक जीवन में तकनीकी प्रगति और सुविधाओं का विस्तार हुआ है। परंतु भौतिकता की दौड़ में मानवीय मूल्य कमजोर होते जा रहे हैं। प्रेम, सहयोग और सहिष्णुता जैसे गुणों का ह्रास हो रहा है। प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ के कारण संबंधों में दूरी बढ़ रही है। आवश्यक है कि हम आत्मचिंतन करें और संतुलन बनाए रखें। मानवीय मूल्यों के बिना जीवन अधूरा है। आधुनिकता और नैतिकता का संतुलन ही सुखद जीवन का आधार है।

---

26. गद्य पाठ का आलोचनात्मक विश्लेषण

गद्य पाठ में लेखक ने आधुनिक समाज की समस्याओं का यथार्थ चित्रण किया है। भाषा प्रभावशाली और सरल है। लेखक ने आत्मचिंतन और संतुलन का संदेश दिया है। पाठ समाज को जागरूक करने का कार्य करता है।

---

27. कविता की सप्रसंग व्याख्या

कविता में 'प्रकाश' ज्ञान और सकारात्मकता का प्रतीक है। कवि कहता है कि यदि व्यक्ति स्वयं को बदल ले, तो समाज में भी परिवर्तन संभव है। कविता का संदेश है कि आत्मविकास से ही सामाजिक सुधार संभव है।

---

28. ध्वनि प्रदूषण संबंधी शिकायत पत्र

सेवा में,
आयुक्त महोदय,
नगर निगम, दिल्ली।

विषय: ध्वनि प्रदूषण संबंधी शिकायत

महोदय,
हमारे क्षेत्र में अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण हो रहा है, जिससे नागरिकों को असुविधा हो रही है। कृपया आवश्यक कार्रवाई करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

भवदीय
नाम
पता

---

29. प्रतिस्पर्धा और नैतिकता

प्रतिस्पर्धा प्रगति के लिए आवश्यक है, परंतु इसमें नैतिकता का पालन भी जरूरी है। अनैतिक तरीकों से प्राप्त सफलता स्थायी नहीं होती। ईमानदारी और परिश्रम से ही सच्ची सफलता मिलती है।

---

30. भारतीय संस्कृति में आत्मचिंतन की परंपरा

भारतीय संस्कृति में आत्मचिंतन को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। ऋषि-मुनियों ने ध्यान और साधना के माध्यम से आत्मज्ञान प्राप्त किया। आत्मचिंतन से व्यक्ति अपने जीवन को सुधार सकता है और समाज को दिशा दे सकता है।